मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 11

अनुक्रमांक .

नाम ....

901 801(HG)

2024

हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 70

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

निर्देश :

i) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

ii) यह प्रश्नपत्र **दो** खण्डों, **खण्ड – अ** तथा **खण्ड – ब** में विभक्त है ।

iii) **खण्ड – अ** में **1** अंक के **20** बहुविकल्पीय प्रश्न हैं जिनके सही उत्तर **ओ० एम० आर०** उत्तर पत्रक पर **नीले** अथवा **काले बाल प्वाइंट कलम** से सही विकल्प वाले गोले को पूर्ण रूप से काला कर चिह्नित करें ।

iv) **खण्ड – अ** के प्रत्येक प्रश्न का निर्देश पढ़कर केवल प्रदत्त **ओ० एम० आर०** उत्तर पत्रक पर ही उत्तर दें । **ओ० एम०आर०** उत्तर पत्रक पर उत्तर देने के पश्चात उसे नहीं काटें तथा इरेजर अथवा ह्वाइटनर का प्रयोग न करें ।

v) प्रश्न के अंक उसके सम्मुख अंकित हैं ।

vi) **खण्ड – ब** में **50** अंक के वर्णनात्मक प्रश्न हैं ।

vii) **खण्ड – ब** में सभी प्रश्नों के उत्तर एक साथ ही करें ।

viii) प्रथम प्रश्न से आरम्भ कीजिए तथा अन्तिम प्रश्न तक करते जाइए । जो प्रश्न न आता हो उस पर समय नष्ट न कीजिए ।

[Turn over

खण्ड – 'अ'

बहुविकल्पीय प्रश्न (वस्तुनिष्ठ) प्रश्न

1. 'वैदेही वनवास' के रचनाकार हैं

(A) मैथिलीशरण गुप्त (B) महादेवी वर्मा

(C) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' (D) सियारामशरण गुप्त 1

2. 'प्रयोगवाद' के कवि हैं

(A) 'भूषण' (B) 'अज्ञेय'

(C) सुमित्रानन्दन पन्त (D) महादेवी वर्मा 1

3. 'भाव-विलास' के रचनाकार हैं

(A) देव (B) बिहारी

(C) चिन्तामणि (D) मतिराम 1

4. 'छत्रसाल दशक' किनकी रचना है ?

(A) पद्माकर की (B) बिहारी की

(C) भूषण की (D) मतिराम की 1

5. 'कला और बूढ़ा चाँद' के रचनाकार हैं

(A) जयशंकर प्रसाद (B) गिरिजाकुमार माथुर

(C) सुभद्राकुमारी चौहान (D) सुमित्रानन्दन पंत 1

6. 'नीड़ का निर्माण फिर' किस विधा की रचना है ?

(A) जीवनी (B) आत्मकथा

(C) रेखाचित्र (D) एकांकी 1

7. निम्नलिखित में से शुक्ल-युग के लेखक हैं

(A) मोहन राकेश (B) अमृत राय

(C) श्यामसुन्दर दास (D) कमलेश्वर 1

8. निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा कथन सही है ?

(A) 'शशांक' के रचनाकार आचार्य रामचन्द्र शुक्ल हैं ।

(B) 'आकाश दीप' कहानी के लेखक रामकुमार वर्मा हैं ।

(C) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र आलोचना साहित्य के जनक माने जाते हैं ।

(D) 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' निबन्ध के लेखक जयशंकर प्रसाद हैं । 1

9. 'परीक्षा-गुरु' किस विधा की रचना है ?

(A) आत्मकथा (B) एकांकी

(C) उपन्यास (D) रेखाचित्र 1

10. 'बाणभट्ट की आत्मकथा' के रचनाकार हैं

(A) जयशंकर प्रसाद (B) हजारीप्रसाद द्विवेदी

(C) रांगेय राघव (D) धर्मवीर भारती 1

11. रस के कितने अंग होते हैं ?

(A) पाँच (B) चार

(C) तीन (D) इनमें से कोई नहीं 1

12. 'पायो जी मैंने राम-रतन धन पायो' पंक्ति में कौन-सा अलंकार है ?

(A) उपमा अलंकार (B) रूपक अलंकार

(C) उत्प्रेक्षा अलंकार (D) यमक अलंकार 1

13. सोरठा के पहले चरण में कितनी मात्राएँ होती हैं ?

(A) 13 (B) 12

(C) 11 (D) 16 1

14. 'निर्दय' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग है

(A) दय (B) नि

(C) निर् (D) नीर्

15. 'नीलगाय' में कौन-सा समास है ?

(A) कर्मधारय समास (B) द्वन्द्व समास

(C) द्विगु समास (D) बहुव्रीहि समास

16. 'खेत' का तत्सम रूप है

(A) भूमि (B) जमीन

(C) क्षेत्र (D) पृथ्वी

17. 'युष्मद्' शब्द का पंचमी विभक्ति, बहुवचन का रूप होगा

(A) युष्माकम् (B) युष्मासु

(C) युष्मत् (D) त्वत्

18. 'भाववाच्य' में किसकी प्रधानता होती है ?

(A) 'कर्ता' की प्रधानता (B) 'कर्म' की प्रधानता

(C) 'क्रिया' की प्रधानता (D) इनमें से कोई नहीं

19. वाक्य के कितने तत्व होते हैं ?

(A) दो (B) चार

(C) तीन (D) आठ

20. अविकारी पद को अन्य किस नाम से जाना जाता है ?

(A) अपव्यय पद (B) अव्यय पद

(C) व्यय पद (D) इनमें से कोई नहीं

खण्ड – 'ब'

वर्णनात्मक प्रश्न

1. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2 + 2 + 2 = 6

कुसंग का ज्वर सबसे भयानक होता है । यह केवल नीति और सद्‌वृत्ति का ही नाश नहीं करता, बल्कि बुद्धि का भी क्षय करता है । किसी युवा पुरुष की संगति यदि बुरी होगी, तो वह उसके पैरों में बँधी चक्की के समान होगी, जो उसे दिन-दिन अवनति के गड्ढे में गिराती जायगी और यदि अच्छी होगी तो सहारा देने वाली बाहु के समान होगी, जो उसे निरन्तर उन्नति की ओर उठाती जाएँगी ।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सारांश लिखिए ।

(ii) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) 'सुदृढ़ बाहु' का क्या अर्थ है ?

अथवा

ईर्ष्या से बचने का उपाय मानसिक अनुशासन है । जो व्यक्ति ईर्ष्यालु स्वभाव का है, उसे फालतू बातों के बारे में सोचने की आदत छोड़ देनी चाहिए । उसे यह भी पता लगा लेना चाहिए कि जिस अभाव के कारण वह ईर्ष्यालु बन गया है, उसकी पूर्ति का रचनात्मक तरीका क्या है ? जिस दिन उसके भीतर यह जिज्ञासा जगेगी, उसी दिन से वह ईर्ष्या करना कम कर देगा ।

(i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का शीर्षक एवं लेखक का नाम लिखिए ।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) ईर्ष्या से बचने के लिए लेखक किस आदत को छोड़ने की सलाह देता है ?

2. निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित दिए गए तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+2=6

रानी मैं जानी अजानी महा, पबि-पाहन हूँ ते कठोर हियो है ।
राजहुँ काजु अकाजु न जान्यो, कह्यो तियको जेहिं कान कियो है ।।
ऐसी मनोहर मूरति ए, बिछुरे कैसे प्रीतम लोगु जियो है ।
आँखिन में सखि राखिबो जोगु, इन्हैं किमि कै वनवास दियो है ।।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) पद्यांश में 'ऐसी मनोहर मूरति ए' किसके लिए प्रयुक्त है तथा इसमें कौन-सा अलङ्कार है ?

अथवा

चढ़ चेतक पर तलवार उठा,
रखता था भूतल पानी को ।
राणा प्रताप सिर काट-काट,
करता था सफल जवानी को ।।
सेना-नायक राणा के भी
रण देख देखकर चाह भरे ।
मेवाड़ सिपाही लड़ते थे
दूने तिगुने उत्साह भरे ।।

(i) उपर्युक्त पद्यांश में कवि एवं शीर्षक का नाम लिखिए ।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) उपर्युक्त पद्यांश में किस योद्धा का वर्णन किया गया है ?

3. निम्नलिखित संस्कृत गद्यावतरणों में से किसी एक अवतरण का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 3 = 5

वाराणस्यां प्राचीनकालादेव गेहे गेहे विद्यायाः दिव्यं ज्योतिः द्योतते । अधुनाऽपि अत्र संस्कृतवाग्धारा सततं प्रवहति, जनानां ज्ञानञ्च वर्द्धयति । अत्र अनेके आचार्याः मूर्धन्याः विद्वांसः वैदिकवाङ्मयस्य अध्ययने अध्यापने च इदानीं निरताः । न केवलं भारतीयाः अपितु वैदेशिकाः गीर्वाणवाण्याः अध्ययनाय अत्र आगच्छन्ति, निःशुल्कं च विद्यां गृह्णन्ति ।

अथवा

'विश्वस्य स्रष्टा ईश्वरः एक एव' इति भारतीयसंस्कृतेः मूलम् । विभिन्नमतावलम्बिनः विविधैः नामभिः एकम् एव ईश्वरं भजन्ते । अग्निः, इन्द्रः, कृष्णः, करीमः, रामः, रहीमः, जिनः, बुद्धः, ख्रिस्तः, इत्यादीनि नामानि एकस्य एव परमात्मनः सन्ति । तम् एव ईश्वरं जनाः गुरुः इत्यपि मन्यते । अतः सर्वेषां मतानाम् समभावः सम्मानश्च अस्माकं संस्कृतेः सन्देशः ।

4. दिए गए संस्कृत पद्यांशों में से किसी **एक** का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 3 = 5

रात्रिर्गमिष्यति भविष्यति सुप्रभातं भास्वानुदेष्यति हसिष्यति पंकजालिः ।

इत्थं विचिन्तयति कोशगते द्विरेफे हा हन्त ! हन्त ! नालिनीं गज उज्जहार ।।

अथवा

श्वेतकेतुर्हारूणेय आस तं ह पितोवाच श्वेतकेतो वस ब्रह्मचर्यम् ।

न वै सोम्यास्मत्कुलीनोऽननूच्य ब्रह्मबन्धुरिव भवतीति ।

5. अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर दिए गए प्रश्नों में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए :

$1 \times 3 = 3$

(क) (i) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के आधार पर उसके प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ii) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग का कथानक अपने शब्दों में लिखिए ।

(ख) (i) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के आधार पर उसके नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ii) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

(ग) (i) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के 'लक्ष्मी सर्ग' की कथा संक्षेप में लिखिए ।

(ii) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के आधार पर 'दौलत' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(घ) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के आधार पर 'श्रीकृष्ण' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ङ) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के आधार पर उसके नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग का कथानक लिखिए ।

(च) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के 'संकल्प' सर्ग का सारांश लिखिए ।

(ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(छ) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर कुन्ती का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

(ज) (i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर भरत का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के 'आगमन' सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

(झ) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर प्रतिनायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के लक्ष्मण-मेघनाथ युद्ध का वर्णन कीजिए ।

(क) दिए गए लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय देते हुए उनकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए : 3 + 2 = 5

(i) जयप्रकाश भारती

(ii) पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी

(iii) जयशंकर प्रसाद ।

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी **एक** कवि का जीवन-परिचय देते हुए उनकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए : 3 + 2 = 5

(i) सूरदास

(ii) मैथिलीशरण गुप्त

(iii) माखनलाल चतुर्वेदी ।

7. अपनी पाठ्यपुस्तक में से कण्ठस्थ कोई एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्नपत्र में न आया हो । 2

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए : 1 + 1 = 2

(i) सर्वे यात्रिणः कं दृष्ट्वा अहसन् ?

(ii) पुरुराज ! गीतायाः कं सन्देशम् अकथयत् ?

(iii) कूपः किमर्थं दुःखम् अनुभवति ?

(iv) रिपुः कया वर्धते ?

9. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर निबन्ध लिखिए : 1 × 7 =

(i) विज्ञान : वरदान या अभिशाप

(ii) नारी-सशक्तीकरण

(iii) स्वच्छ भारत अभियान

(iv) छात्र और अनुशासन ।

10. अपने जन्मदिन पर मित्र द्वारा भेजे गए उपहार के लिए मित्र को धन्यवाद पत्र लिखिए । 4

अथवा

राज्य परिवहन निगम के मुख्य प्रबन्धक को बस चालक के अप्रशंसनीय व्यवहार का उल्लेख करते हुए शिकायती पत्र लिखिए ।